




संस्तुति

मैं संस्तुति करता हूँ कि श्री. संदिप जोतिराम किर्दत का “मृणाल पांडे के उपन्यासों में चित्रित जन-जीवन का अनुशीलन” लघु शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए।


(डॉ. अर्जुन चव्हाण)
अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर.

स्थान : कोल्हापुर।

दिनांक : 30 DEC 2002

डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण

एम्.ए., बी.एड., पीएच्.डी.

प्रपाठक एवं अध्यक्ष,

हिंदी विभाग,

शिवाजी विश्वविद्यालय,

कोल्हापुर - 416 004

दि. :

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री.संदिप जोतिराम किर्दत ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्.फिल.(हिंदी) उपाधि के लिए “मृणाल पांडे के उपन्यासों में चित्रित जन-जीवन का अनुशीलन” लघु शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में पूरे परिश्रम के साथ लिखा है। पूर्वयोजना के अनुसार संपन्न इस शोध कार्य में शोधार्थी ने मेरे सुझावों का आद्यंत पालन किया है। जो तथ्य इस लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किये गए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। प्रस्तुत शोध-कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट होकर ही इसे परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करता हूँ।

शोध-निर्देशक



(डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण)

अध्यक्ष,

हिंदी विभाग,

शिवाजी विश्वविद्यालय,

कोल्हापुर-४१६००४.

स्थान : कोल्हापुर।

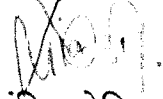
दिनांक : 30 DEC 2002

प्र ख्या प न

“मृणाल पांडे के उपन्यासों में चित्रित जन-जीवन का अनुशीलन”

लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

शोध-छात्र



(श्री. संदिप जोतिराम किर्दत)

स्थान : कोल्हापुर।
तिथि : 30 DEC 2002